



जन एक्सप्रेस

@janexpressnews

janexpresslive

janexpresslive

www.janexpresslive.com/epaper

पीएम मोदी ने भारतीय शिक्षा समागम का उद्घाटन किया, पीएमश्री योजना की पहली किस्त जारी की

देश के 14 हजार पुराने स्कूल स्मार्ट बनेंगे

जन एक्सप्रेस/एजेसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मप्रदायन के साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के 3 साल पूरे होने के अवसर पर प्रतिष्ठित मैदान के भारत मंडप पहुंचे। यहां उन्होंने अखिल भारतीय शिक्षा सम्मेलन का उद्घाटन किया। दरअसल, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की तीसरी वर्षगांठ के मौके पर इस दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस मौके पर पीएम मोदी ने शिक्षा और कौशल की 12 भारतीय भाषाओं में किताबों का विमोचन किया और पीएमश्री योजना के तहत धनराशि की पहली किस्त भी जारी की। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, पीएमश्री योजना के तहत चयनित सरकारी स्कूलों को धनराशि की पहली किस्त जारी की गई। ये स्कूल छात्रों को इस तरह से शिक्षा प्रदान करेंगे कि वे राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की परिकल्पना के अनुरूप एक समतलपूर्ण, समावेशी और बहुलवादी समाज के निर्माण में योगदान देने वाले नागरिक बन सकें।



दुनिया भारत को 'नर्सरी' के तौर पर देख रही: मोदी
मोदी ने कहा कि दुनिया भारत को नई संभावनाओं की 'नर्सरी' के तौर पर देख रही है। कई देश अपने यहां भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान के परिसर खोलने के लिए सरकार से संपर्क कर रहे हैं। दो आईआईटी परिसरों-तंजानिया में एक परिसर और अबू धाबी में एक परिसर-का संचालन शुरू होने वाला है। कई वैश्विक विश्वविद्यालय भी हमसे संपर्क कर रहे हैं। वे भारत में अपने परिसर खोलने में रुचि दिखा रहे हैं।

छात्रों को भाषा के आधार पर आंकना अन्याय: पीएम
प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि युवाओं को उनकी प्रतिभा के बजाय उनकी भाषा के आधार पर आंकना उनके साथ सबसे बड़ा अन्याय है। दुनिया में अलग-अलग भाषाएं हैं और सभी का अपना-अपना महत्व है। अधिकांश विकसित देशों ने अपनी मूल भाषा के आधार पर प्रगति की है। इतनी सारी मूल भाषाएं होने के बावजूद हमने उन्हें पिछड़े के रूप में पेश किया।

एनईपी 2020 के बारे में जानिए
प्रधानमंत्री के विजन से प्रेरित होकर, युवाओं को तैयार करने और उन्हें अमृत काल में देश का नेतृत्व प्रदान करने में सक्षम करने के उद्देश्य से एनईपी 2020 का शुभारंभ किया गया था। इसका उद्देश्य भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए युवाओं को तैयार करना है तथा उन्हें बुनियादी मानवीय मूल्यों से जोड़े रखना है। अपने कार्यान्वयन के तीन वर्षों के दौरान इस नीति ने स्कूल, उच्च शिक्षा और कौशल शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं। अखिल भारतीय शिक्षा समागम में सोलह सत्र शामिल होंगे, जिनमें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और शासन तक पहुंच, न्यायसंगत और समावेशी शिक्षा, सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूह के मुद्दे, शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीयकरण समेत अन्य विषयों पर चर्चा होगी।

शिक्षा देश का भाग्य बदलने की ताकत रखती है: मोदी

इस दौरान पीएम मोदी ने संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही है जो देश का भाग्य बदलने की ताकत रखती है। देश जिस लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहा है उसमें शिक्षा की अहम भूमिका है। आप इसके प्रतिनिधि हैं। अखिल भारतीय शिक्षा समागम का हिस्सा बनना मेरे लिए भी एक महत्वपूर्ण अवसर है।

हमारे छात्र नई व्यवस्थाओं से भली-भांति परिचित: पीएम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि ह्रदयके पारंपरिक ज्ञान प्रणाली से लेकर भविष्य की तकनीक तक को संतुलित तरीके से महत्व दिया है। रिसर्च इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए देश के शिक्षा जगत के सभी महानुभावों ने बहुत मेहनत की है। हमारे छात्र नई व्यवस्थाओं से भली-भांति परिचित हैं, वे जानते हैं कि 10+2 शिक्षा प्रणाली की जगह अब 5+3+3+4 लाई जा रही है।

यह प्राचीनता और आधुनिकता का संगम: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि काशी के रुद्राक्ष से लेकर आधुनिक भारत के इस मंडप तक अखिल भारतीय शिक्षा समागम की यात्रा अपने आप में एक संदेश समेटे हुए है। यह प्राचीनता और आधुनिकता का संगम है। हमारी शिक्षा प्रणाली भारत की परंपराओं को संरक्षित कर रही है, वहीं देश आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी में भी आगे बढ़ रहा है।

34 साल बाद बदली नेशनल एजुकेशन पॉलिसी

- साल 2020 में नई एजुकेशन पॉलिसी को लागू किया गया था। 1986 के बाद यानी 34 साल बाद देश की शिक्षा नीति में बदलाव हुआ था। इसमें बच्चे के प्राइमरी स्कूल में एडमिशन से लेकर हायर एजुकेशन कर जांब फॉर्स से जुड़ने तक काफी बदलाव किए गए हैं। नई शिक्षा नीति का ड्राफ्ट इसरो के वैज्ञानिक रह चुके शिक्षाविद के. के. कस्तूरीरंगन के नेतृत्व वाली कमेटी ने बनाया था।
- 6 से 9 वर्ष के बच्चों के लिए बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान पर फोकस होगा। इसके लिए नेशनल मिशन बनेगा। पूरा फोकस होगा कक्षा 3 तक के बच्चों का फाउंडेशन मजबूत बने।
- कक्षा 5 तक तक आते-आते बच्चे को भाषा और गणित के साथ उसके स्तर का सामान्य ज्ञान होगा। डिस्कवरी और इंटरैक्टिवनेस इसका आधार होगा यानी खेल-खेल में सारा सिखाया जाएगा।
- कक्षा 6-8 तक के लिए मल्टी डिस्सीप्लिनरी कोर्स होंगे। एक्टिविटीज के जरिये पढ़ाएंगे। कक्षा 6 के बच्चों को कोडिंग सिखाएंगे। 8वीं तक के बच्चों को प्रयोग के आधार पर सिखाया जाएगा।
- कक्षा 9 से 12 तक के बच्चों के लिए मल्टी-डिस्सीप्लिनरी कोर्स होंगे। यदि बच्चे की रुचि संगीत में है, तो वह साइंस के साथ म्यूजिक ले सकेगा। कैम्पेस्ट्री के साथ बेकरी, कुकिंग भी कर सकेगा।

■ कक्षा 9-12 में प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग पर जोर होगा। इससे जब बच्चा 12वीं पास करके निकलेगा, तो उसके पास एक स्किल ऐसा होगा, जो आगे चलकर आजीविका के रूप में काम आ सकता है।

24 घंटे पहले जारी किया आदेश

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर पीएम के कार्यक्रम को लेकर तैयारियां पहले से चल रही थीं। 24 जुलाई को ही भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की तरफ से आदेश जारी करके 29 जुलाई को स्कूल खोलने के निर्देश जारी किए गए थे। शिक्षा महानिदेशक ने शनिवार को स्कूल खोलने के निर्देश जारी किए। इससे पहले शिक्षकों और बच्चों को मोहोरम के कारण छुट्टी की जानकारी थी। अचानक से हुए इस बदलाव के कारण कई जगह परेशानी का भी सामना करना पड़ा। हालांकि सबसे बड़ी समस्या प्रशासन करने को लेकर आई। शनिवार को तमाम स्कूलों में समय से तैयारी नहीं हो सकी। जिसके चलते लाइव स्ट्रीमिंग नहीं हुई।

वया है पीएम श्री योजना...

पीएम एस्पेचआरआई (प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राजजिग इंडिया) योजना का मुख्य उद्देश्य भारत के 14,500 पुराने स्कूलों का अपग्रेडेशन करके स्मार्ट और आधुनिक विद्यालय में बदलना है, ताकि इन स्कूलों को नया स्वरूप प्रदान कर बच्चों को स्मार्ट शिक्षा से जोड़ा जा सके। पीएम श्री योजना के तहत अपग्रेड किए गए पीएम श्री स्कूलों में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी की झलक दिखाई देगी तथा आगे चलकर यह अनुकरणीय स्कूल की तरह काम करेगा।



पीएम ई विद्या योजना के तहत पांच चैनल चलाएगा उत्तर प्रदेश, साइन हुआ एमओयू

जन एक्सप्रेस/एजेसी। नई दिल्ली
एएससीआईआरटी संचालित करेगा। जिसका लाभ कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों को मिलेगा। इस अवसर पर प्रो. अमरेंद्र बोरा, ऑर्नरेबल एजुकेशन मिनिस्टर ऑफ स्टेट राजकुमार रंजन सिंह, ऑर्नरेबल एजुकेशन मिनिस्टर ऑफ स्टेट अन्नपूर्णा देवी और मिनिस्टर ऑफ स्टेट एजुकेशन डॉ. सुभाष सरकार उपस्थित थे। इस समारोह में उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त 25 राज्यों के एएससीआईआरटी के निदेशक भी सम्मिलित हुए और उन्होंने भी एमओयू हस्ताक्षरित किया।

रामलला की आराधना के लिए आज से खुलेगा 'दर्शन मार्ग'

जन एक्सप्रेस। अयोध्या
अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पथ पर बने नवीन दर्शन मार्ग का रविवार को शुभारंभ किया जाएगा। इसकी जानकारी श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने दी। अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के साथ ही हजारों करोड़ की विकास योजनाओं पर काम चल रहा है जिससे कि रामनगरी को वैश्विक स्तर पर पहचान दी जा सके और अयोध्या को यरुशलम और वेटिकन सिटी की तुलना में पहचान मिल सके। अनुमान है कि राममंदिर बन जाने के बाद



अयोध्या में हर रोज करीब एक लाख श्रद्धालु व पर्यटक आएंगे। इसलिए अयोध्या के विकास का मास्टर प्लान गहन अध्ययन करने के बाद तैयार किया गया है। वर्तमान में अयोध्या को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित करने के लिए 32 हजार करोड़ की परियोजनाओं पर काम चल रहा है।

गोरखपुर में आज सीएम योगी देंगे सौगात अधिवक्ता चैंबर्स का लोकार्पण व डिजिटल लाइब्रेरी का करेंगे शिलान्यास



जन एक्सप्रेस। गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को अधिवक्ताओं को सवा नौ करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात देंगे। रविवार शाम को प्रस्तावित कार्यक्रम में सीएम योगी गोरखपुर कलेक्ट्रेट मुख्यालय परिसर में 3

पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को देंगे सौगात
सोमवार शाम को वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज में प्रस्तावित एक समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के 8450 लाभार्थियों को 51 करोड़ रुपये की धनराशि वितरित करेंगे। वह 250 लाभार्थियों को 50 हजार रुपये की दर से प्रथम किश्त (कुल 1.25 करोड़), 2200 लाभार्थियों को 1.50 लाख रुपये की दर से दूसरी किश्त (कुल 33 करोड़) तथा 3350 लाभार्थियों को 50 हजार रुपये की दर से तीसरी किश्त (कुल 16.75 करोड़) की धनराशि सिंगल विलक से लाभार्थियों के बैंक खातों में अंतरित करेंगे। पीएम आवास योजना के तहत गोरखपुर में 43600 आवास स्वीकृत हैं। इसमें से 35500 आवास पूर्ण हो चुके हैं। इसमें 8400 आवास चार माह पूर्व ही स्वीकृत हुए हैं। इन सभी को प्रथम किश्त जारी कर दी गई है और निर्माण कार्य कराया जा रहा है। उक्त के अतिरिक्त जुलाई माह में जिले में 5522 आवास और स्वीकृत किए गए हैं। योजना के पोर्टल पर इनके अटैचमेंट का काम चल रहा है।

लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही 1 करोड़ 25 लाख 30 हजार रुपये की लागत से कलेक्ट्रेट परिसर में बनने वाली डिजिटल लाइब्रेरी का भी शिलान्यास करेंगे।

लखनऊ विकास प्राधिकरण जनेश्वर मिश्र पार्क की पांच एकड़ जमीन पर जुरासिक पार्क विकसित करने जा रहा है

लखनऊ में दिखेगा डायनासोर, घबराइएगा नहीं!

- * यहां डायनासोर जैसे विलुप्त हो चुके जीव देखे जा सकेंगे और उसकी आवाज भी सुनी जा सकेगी
- * एलडीए उपाध्यक्ष डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में शुक्रवार को इस संबंध में ले-आउट पेश किया गया

डायनासोर के अलावा मेमथ जैसे जीव के रियल साइज मॉडल देखे जा सकेंगे
योजना के तहत पार्क में डायनासोर, किंग कॉनग के अलावा मेमथ जैसे जीव के रियल साइज मॉडल देखे जा सकेंगे। इन मॉडल में लेटेस्ट सेसर और साउंड भी लगे होंगे। इससे बच्चों को डायनासोर की ब्रीथिंग से लेकर उनके साउंड इफेक्ट और ऐसे जीवों के मूवमेंट के बारे में भी जानकारी मिल जाएगी। एलडीए उपाध्यक्ष के अनुसार जुरासिक पार्क पीपीपी मॉडल पर तैयार किया जाएगा। यह गाड़ियों के स्क्रूप, टायर जैसे निष्पद्योय सामग्री से बनाया जाएगा और इसे बनाने में पार्क में लगे पेड़-पौधों से किसी भी तरह की छेड़छाड़ नहीं होगी, बिना खोली गई है और तकनीकी मूल्यांकन हो जाने के बाद काम शुरू कर दिया जाएगा।



लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आपको डायनासोर देखने को मिलेगा। यही नहीं उसकी आवाज भी सुनाई देगी। लखनऊ विकास प्राधिकरण जनेश्वर मिश्र पार्क की पांच एकड़ जमीन पर जुरासिक पार्क विकसित करने जा रहा है। यहां विलुप्त हो चुके जीव जैसे कि डायनासोर भी देखे जा सकेंगे और उसकी आवाज भी सुनी जा सकेगी। एलडीए उपाध्यक्ष डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में शुक्रवार को इस संबंध में ले-आउट के साथ ही टेंडर का प्रस्तुतिकरण पेश किया गया।

प्राचीन काल की गुफा का अहसास कराएंगी
जुरासिक पार्क की यात्रा रोमांचक और जानकारी से भरपूर होगी। इसमें डायनासोर की उत्पत्ति और विलुप्त होने की पूरी कहानी बताई जाएगी। इनकी अलग-अलग प्रजातियों के रियल साइज मॉडल तैयार किए जाएंगे और लंबी सुरंग बनाई जाएगी जो प्राचीन काल की गुफा की अनुभूति कराएंगी। पार्क में आकर्षक इन्टी गेट के साथ ही पार्क-वे, फेन्सिंग होगा। सेल्फी वॉर्ड्स के साथ ही कैफेटेरिया भी बनाए जाएंगे। एक जगह पर री-क्रिएशनल स्पेस विकसित किया जाएगा।

वाराणसी में ताजिया जुलूस को लेकर शिया-सुन्नी समुदाय में बवाल, 100 से अधिक घायल

जन एक्सप्रेस। वाराणसी

वाराणसी में भारी सतर्कता और सुस्शा की घेरेबंदी के बाद भी जैतपुर इलाके के दोषीपुग में मुह्रम के जुलूस के दौरान बवाल हो गया। ताजिया जुलूस निकालने को लेकर हुए विवाद ने अरूप ले लिया। शिया और सुन्नी समुदाय के बीच जमकर संघर्ष हुआ। मारपीट के बाद जमकर पथराव हुआ। ईट-पत्थर के साथ ही हथियारों का भी इस्तेमाल किया गया। बवाल में 100 से ज्यादा लोगों के घायल हुए हैं। पुलिस जीप समेत मौके पर खड़ी 20 से अधिक बाइकों में तोड़फोड़ की गई। ताजिया दौड़कर ले जाने के चक्र में वह भी क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद भी पथरबाजी होती



पुलिसकर्मियों की बाइकों को किया क्षतिग्रस्त
शिया और सुन्नी समुदाय के बीच हुए बवाल में पीएससी कैंप और पुलिसकर्मियों की बाइकों भी उपद्रव की भेंट चढ़ गई। उपद्रव कर रहे कुछ युवकों ने पीएससी कैंप और मौके पर खड़ी पुलिसकर्मियों की बाइकों में जमकर तोड़फोड़ की। पथराव और उपद्रवियों की भीड़ देख वक्ति पीएससी के जवान और पुलिस को भी पीछे हटना पड़ गया था।

रही। पुलिस ने लाठीचार्ज कर उपद्रवियों को खदेड़ा। घटना की सूचना पाकर मौके पर पुलिस

दाईं घंटे तक रणक्षेत्र बना रहा दोषीपुग

मौके की नजदीक को देखते हुए सीपी मुथा अशोक जैन ने वरुणा और गोमती जोन से भी पुलिस फोर्स को मौके पर बुलाया। मौके पर जुटी पुलिस ने दोषीपुग मैदान सहित आसपास के इलाके को घेरकर उपद्रव कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज किया। करीब दो बजे शुरू बवाल दाईं घंटे बाद 4:30 पुलिस ने काबू पाया। पथराव में घायल हुए लोगों को इलाज के लिए पुलिस ने मंडलीय चिकित्सालय सहित अन्य अस्पतालों में भेजा।

जवानों के साथ पहुंचे। पुलिस जब मौके पर पहुंची दो दोनों ओर से जमकर पथराव चल रहा था।

ताजनगरी में जल्द दौड़ेगी मेट्रो, जारी कर दी गई किराया सूची

जन एक्सप्रेस। आगरा

आगरा में मेट्रो ट्रेन अगले साल फरवरी में ताज पूर्वी से जामा मस्जिद (संभावित मनकामेश्वर) स्टेशन तक चलेगी। छह किमी की दूरी के लिए लोगों को 20 रुपये खर्च करने पड़ेंगे। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (यूपीएमआरसी) ने संभावित किराया जारी कर दिया है। स्टेशन बढ़ने पर मेट्रो का किराया भी बढ़ेगा। यूपीएमआरसी के उप महाप्रबंधक पंचानन मिश्रा ने बताया कि कानपुर और लखनऊ में मेट्रो में जो किराया लिया जा रहा है, वहीं आगरा में भी लागू हो सकता है। दो कॉरिडोर में मेट्रो ट्रेन के ट्रैक की दूरी 29.4 किमी है। इसमें 27 स्टेशन हैं। पहला कॉरिडोर 14 किमी का है। इसमें 13 स्टेशन होंगे। यह कॉरिडोर ताज में पूरे से सिक्कदा तक बनेगा। इसमें छह किमी ट्रैक पहले तैयार किया जा रहा है। इसका संभावित किराया 20 रुपये



सरकार के आदेश पर बनेगा दूसरा भूमिगत कॉरिडोर
उप महाप्रबंधक ने बताया कि मेट्रो ट्रेन के लिए कॉरिडोर का निर्माण दिसंबर, 2020 में शुरू हुआ था। दिसंबर, 2025 तक इसका कार्य पूरा होना है। दूसरा कॉरिडोर आगरा कैंट से कालिंदी विहार तक बनेगा। ये एलिवेटेड ट्रैक होगा, इसकी दूरी 15.4 किमी है। इसमें 14 स्टेशन हैं। व्यापारी एमजी रोड से मेट्रो के लिए भूमिगत कॉरिडोर, स्टेशन बनाने की मांग कर रहे हैं। सरकार के आदेश पर ही इसमें बदलाव संभव है। ऐसा होने पर इसकी लागत करीब दोगुना बढ़ जाएगी।

प्रति सवारी होगा। स्टेशन बढ़ने पर किराए में इजाफा होगा। एक मेट्रो में तीन बोगी होंगी। इसमें 750 यात्री

आगरा में मेट्रो का संभावित किराया

- एक स्टेशन तक: 10 रुपये
- दो स्टेशन तक: 15 रुपये
- 3-6 स्टेशन तक: 20 रुपये
- 7-9 स्टेशन तक: 30 रुपये
- 10-13 स्टेशन तक: 40 रुपये
- 14-17 स्टेशन तक: 50 रुपये
- 18 या इससे अधिक स्टेशन: 60 रुपये

आंकड़े एक नजर में

- 8380: करोड़ रुपये मेट्रो की लागत
- 2025: तक बन जाएंगे दोनों कॉरिडोर
- 29.4: किमी का है दोनों कॉरिडोर का ट्रैक
- 28: मेट्रो ट्रेन चलेगी ट्रैक पर
- 27: स्टेशन होंगे मेट्रो ट्रेन के
- 20: एलिवेटेड स्टेशन
- 07: भूमिगत स्टेशन

धूमधाम व श्रद्धा के साथ मनाया गया मोहर्रम

जन एक्सप्रेस। राजेश पाल

बाजार शुक्ल, अमेठी। मुहर्रम इस्लाम धर्म में आस्था रखने वाले लोगों का एक प्रमुख त्योहार है। मुहर्रम से इस्लामिक कैलेंडर का नया साल शुरू होता है। इस माह को इस्लाम के 4 पवित्र महीनों में शुमार किया जाता है। अल्लह के रसूल हजरत मुहम्मद ने इस मास को अल्लह का महीना कहा है। ताजिया रख कई तरह के आयोजन किये जाते हैं। जिसे शाम होते ही कबला में ताजिया ठंडी कर दी जाती है। धर्म व सत्य के लिए पैगाम देने वाला पर्व: कस्बे में शहीदानी करबला की याद में जलसे का आयोजन किया गया। जिसमें मुस्लिम धर्म

गुरुओं द्वारा इमाम हुसैन व उनके साथियों की शहादत का जिक्र किया। जुलूस के साथ ताजिया निकाली गईं (जो क्षेत्र के विभिन्न स्थानों से गुजरते हुए भ्रमण कराया गया। इस दौरान जगह-जगह मुस्लिम समुदाय द्वारा शरबत, लंगर का एहतेमाम किया गया। कहते हैं कि इस दिन लंगर व शरबत बांटने को मुस्लिम समाज पुण्य का काम मानते हैं। मुस्लिम समाज मुहर्रम को मातमी पर्व के साथ धर्म व सत्य के लिए पैगाम देने वाला पर्व मानते हैं। मोहर्रम पर करबला की याद में युवाओं द्वारा करबत दिखाए जाते हैं। जिसमें युवाओं द्वारा विभिन्न प्रकार करबत से लोगों का मन मोह लेते हैं। इसके लिए युवाओं की टोली सप्ताह भर से तैयारी करती है।



मुस्तेदी से डटा रहा स्थानीय प्रशासन

चपे-चपे पर रखी जा रही थी नजर: थाना क्षेत्र के कस्बे सहित क्षेत्र में मुहर्रम के चलते ताजिया जुलूस निकाला गया इस दौरान सुरक्षा की दृष्टिकोण से पुलिस फोर्स भी मुस्तेदी से मौजूद रहा। मुहर्रम का त्योहार बड़े ही धूमधाम ताजिया जुलूस निकालकर मनाया गया। सुरक्षा व्यवस्था के लिहाज से तेजतर्रार थाना प्रभारी तरुण पटेल भी जवानों संग सुबह से ही जुलूस वाले स्थान पर डटे रहे तथा जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने में अहम भूमिका निभाई।

शांतिपूर्ण तरीके से निकाला गया 10वीं मोहर्रम का जुलूस

जन एक्सप्रेस। रायबरेली

शनिवार को 10वीं मुहर्रम पर यौम-ए-आशूरा का जुलूस शहर से लेकर कस्बों तक में निकला है। हर तरफ मातम, आंखों में आंसू लिए अकीदत मंद यजीद के जुलूस के खिलाफ आवाज बुलंद करते रहे। जुलूस में मातम के साथ शिया समुदाय के लोगों ने नौहा में शब्दों पे क्या आलमे तनहाई है, जुलूस की चंद पे जहरा के घटा छाई है' के साथ सीनाजनी, झरी और जंजीर का मातम शुरू हुआ। जुलूस आगे बढ़ा, जिसमें हजारों की संख्या में महिलाएं, पुरुष, बड़े और बुजुर्ग शामिल थे। इस जुलूस में शामिल होने के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या संख्या में हिन्दू समुदाय के लोग भी आए थे। जुलूस के रास्ते में



जगह जगह लंगर का भी लोगों ने आयोजन किया था। रास्ते में नौहा खवानी भी होती रही, तो तकरीर भी होती थी।

या हुसैन अलविदा के साथ सिपुर्दे खाक किये गये ताजिये

जन एक्सप्रेस। सुलतानपुर

नौ मोहर्रम को हुसैनिया बादल खाँ की मजलिस को मौलाना सैयद आमिर काजमी ने खेताब किया उन्होंने कहाकि जब हुसैन के सारे साथी शहीद होगये तो हुसैन ने चारों तरफ देखा और आवाज दी ऐ मेरे जानिसारो क्या अपने मौला को रूखसत नहीं करोगे। जब कोई न रहा और खैमे से हुसैन रूखसत होने लगे तो खैमे में कोहराम मच गया हुसैन की बहन जैनब ने हुसैन को घोड़े पर सवार कराया हुसैन न यजीदी फौज से कहा अगर तुम अब भी बाज आ जाओ और हमारी बात मानलो तो हुसैन तुम्हें माफ कर देगा, लेकिन जब यजीदी फौज न मानी तो हुसैन ने हमला करना शुरू किया यजीदी फौज हथियार छोड़-छोड़ कर भागने लगी, हुसैन ने कहा मैं अमान चाहता हूँ, यजीदी फौज ने



हथियार डाल दिया, इतने में गैबी आवाज आयी ऐ हुसैन जंग रोकलो इसको सुनकर हुसैन ने अपनी तलवार रोकली, हुसैन पर चारों तरफ से हमले होने लगे जख्मों से चूर होकर हुसैन घोड़े से जमीन पर आये, यजीदी फौज का कमाण्डर शिग्र आगे बढ़ा उसने हुसैन के सर को काट लिया, खैमे में इसकी खबर मिलते ही कोहराम मच गया। इसके बाद जुलूस शबे आसूर निकाला गया और रात भर सभी

अंजुमनो ने नौहा मातम किया और सुबह सभी इमामबाड़ों में अलविदाई नौहा पढ़ा गया। हवाई अड्डे पर आमांले आशूरा करने के बाद अमहट के सभी इमामबाड़ो से ताजिया का जुलूस उठकर अमहट चैराहे पर सबसे आगे अंजुमन जीनतुल अजा कदीम, जीनतुल अजा बहिशी, जीनतुल अजा रजिस्टर्ड अलीगढ, असगरिया कदीम, पंजतनी तुराबखानी, असगरिया गोरबारिक,

योजना का लाभ दिलाने के बहाने जालसाजों ने की करोड़ों की ठगी

जन एक्सप्रेस। अमेठी

जनपद में जालसाजों ने भोले भाले ग्रामीणों को सरकर से बीस हजार रूपए मिलने की स्क्रीम बताकर करोड़ों का चूना लगा दिया।उन्होंने ग्रामीणों के खाते में पैसा आने को बताकर उनसे आधार कार्ड,पैन कार्ड की फोटो काँपी और दो फोटो लेकर साथ ही सादे कागज पर हस्ताक्षर करवा लिया। ग्रामीण अपने खाते में पैसा आने का इंतजार करते रहे। खाते में पैसा तो नहीं आया लेकिन कुछ समय बाद फाइनेंस

कंपनी के रिक्वरी कर्मचारी ग्रामीणों के पास पहुंच गए। और उनके नाम फाइनेंस की गई मोटर साइकिलों की किस्त न जमा करना बताते हुए उनसे वसूली की बात बताई,तो ग्रामीणों के पैरों तले जमीन खिसक गई। ये ग्रामीण मजदूर तबके के निकले जो दिनभर मजदूरी करने के बाद परिवार का पेट भरने की कोशिश करते हैं। ग्रामीणों ने रिक्वरी कर्मचारियों को बताया कि वे सब मजदूरी करते हैं। गाड़ी के बारे में तो वे सोच भी नहीं सकते हैं। लेकिन कर्मचारियों का कहना था कि उनसे उन सब चीजों से कोई मतलब

नहीं।उनके नाम से फाइनेंस है, रिक्वरी तो करनी पड़ेगी।ये पूरा मामला बाजार शुक्ल थाना क्षेत्र का है, जहाँ इसी थाना क्षेत्र के पूरे गनेशी, इकतानपुर और उररमजु गांव के रहने वाले कई ग्रामीणों के आधार कार्ड और पैन कार्ड, बैंक पासबुक की छाया प्रति ले ली।और कहा कि सरकार द्वारा एक योजना चलाई जा रही है। जिसमें पैसे मिलेंगे और देना भी नहीं पड़ेगा। ऐसा कहकर ग्रामीणों के कागजात पर बाजार शुक्ल थाना द्वारा एजेंसी से बाजार शुक्ल थाने पहुंच प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

बात जानकर होंडा एजेंसी संचालक फरार हो गया है। उधर लोन एजेंट अपना पैसा मांग रहे हैं।और पैसा न देने पर कानूनी कार्यवाही करने की धमकी दे रहे हैं। बताया जा रहा है कि जालसाजों ने करीब 90 ग्रामीणों को अपना शिकार बनाया है। और सपना के कागजातों पर बाइक फाइनेंस करवा दी हैं। ये बाइकें कहाँ हैं किसी को पता नहीं हैं। अभी तक एक दर्जन से अधिक ग्रामीण बाजार शुक्ल थाने पहुंच प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है।

सांसें हो रही हैं कम, आओ वृक्ष लगाएं हम: रंजू सिंह

जन एक्सप्रेस। अमेठी

हरीतिमा वन महोत्सव के अंतर्गत कम्पोजिट विद्यालय चेतारा बुजुर्ग तिलोई अमेठी में सामुदायिक सहभागिता की मिसाल पेश करते हुए अपने संकल्प के अनुसार नरेन्द्र सिंह जन सेवा समिति तिलोई अमेठी की अध्यक्ष रंजू सिंह ने विद्यालय की सौंदर्यता व पर्यावरण की स्वच्छता हेतु पाकड़ का पेड़ लगाकर पुनीत कार्य किया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका कीर्ति मिश्रा एवं वरिष्ठ शिक्षक अम्बिका शरण खरे ने रंजू सिंह का स्वागत किया।धरिन्द्र प्रताप सिंह प्रदेश जिलाध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ अमेठी ने भी कांजी का पेड़ लगाया।रंजू सिंह ने कहा पेड़ों से बच्चों को शीतल छाया मिलेगी।आप



सभी मिलकर विद्यालय में एक एक वृक्ष लगाकर पर्यावरण को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें। धरिन्द्र प्रताप सिंह ने कहा, वृक्षारोपण से स्वच्छ आँकसीज मिलेगी।जिससे आने वाली पीढ़ी का जीवन सुखित हो सकेगा।प्रधान मोनू जायसवाल ने भी गुडहल का पेड़ लगाया। इस मौके पर शिक्षक अम्बिका शरण खरे रश्मि सिंह,रश्मि वर्मा आदि उपस्थित रहे। प्रधानाध्यापिका कीर्ति मिश्रा ने आए हुए अतिथियों का स्वागत, धन्यवाद व आभार प्रकट किया।

गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर में 34वीं क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का किया गया उद्घाटन

जन एक्सप्रेस। रायबरेली

गोपाल सरस्वती विद्या मंदिर में शनिवार को 34वीं क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता का उद्घाटन किया गया अतिथियों का परिचय प्रधानाचार्य ने कराया। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में सुनील सिंह (अगिनशमन अधिकारी) एवं मुख्य अतिथि प्रकाश चन्द्र और संरक्षक के रूप में विद्याभारती पूर्वी उ0प्र0 के क्षेत्रीय संगठन मंत्री हेमचन्द्र, क्षेत्रीय खेलकूद प्रमुख जगदीश चन्द्र एवं प्रदेश निरीक्षक रामसिंह, संपन्ना निरीक्षक सुरेश सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन माँ सरस्वती की वन्दना के साथ आयम् हुआ तत्पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भैया बहनों द्वारा किया गया, जो आये हुए



सभी प्रतिभागियों एवं अधिकारियों का मन-मोह लिया। अध्यक्ष आशीवर्चन स्वामी महेश योगी एवं आभार ज्ञान प्रबन्धक विमल तलरजा के द्वारा किया गया। विशिष्ट अतिथि सुनील सिंह ने आये हुए सभी प्रतिभागियों को उनकी सफलता के लिए प्रेरित किया क्षेत्रीय संगठन मंत्री

हेमचन्द्र ने बताया कि हम अपने जीवन में खेल-कूद के द्वारा ही स्वस्थ एवं निरोगी रख सकते है आये हुए सभी प्रतिभागी स्वस्थ स्वर्धा एवं सामंजस्यता के साथ प्रतिभाग करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय की प्रबन्ध समिति के साथ आचार्य एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे।

विशेष लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु बैठक का आयोजन

जन एक्सप्रेस। सुलतानपुर

एक आवश्यक बैठक जनपद न्यायाधीश सुलतानपुर के विश्रामकक्ष में आहूत की गई। जिसमें जनपद न्यायालय सुलतानपुर में कार्यरत न्यायिक अधिकारीगण व वल्लभ न्यायालय कादीपुर के न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे। बैठक में जनपद न्यायाधीश सुलतानपुर द्वारा दिनांक 12 अगस्त को आयोजित होने वाली एन0आई0एक्ट की विशेष लोक अदालत तथा दिनांक 09 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह समझौते के द्वारा अधिक से अधिक वादों के निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इसके पूर्व आज ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण

सुलतानपुर के सचिव, अपर जनपद न्यायाधीश अभिषेक सिन्हा द्वारा जिला कारागार, सुलतानपुर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जेल अधिकारीगण व स्टाफ को साफ-सफाई, बंदियों के इलाज तथा उनके मुकदमों में पैरवी के बावत आवश्यक निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान तारकेश्वर सिंह, चीफ लीगल एड डिफेंस काँउन्सल, सुलतानपुर, जेल अधीक्षक अनिल गौतम, सतीशा पांडेय व मो0 नासिर पी0एल0वी0 व अन्य जेल कर्मी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान प्राधिकरण सुलतानपुर की ओर से बंदियों के हितों में सम्बन्ध में प्रचलित योजनाओं व गतिविधियों से अवगत कराया गया।

प्राथमिक विद्यालय के छात्रों से करवाया जा रहा है कार्य

जन एक्सप्रेस। बरौली/सुलतानपुर

शिक्षा विभाग भले ही बच्चों की शिक्षा के प्रति सख्त निर्देश दिए हो परंतु परिपदीय विद्यालय के शिक्षकों के ऊपर कोई प्रभाव पड़ने वाला नहीं है, शिक्षक विद्यालय के बच्चों से ईंट की दुलाई करवा रहे हैं। विद्यालय में ही बाल श्रम करवाया जा रहा है किंतु शिक्षा विभाग के साथ-साथ बाल श्रम विद्यालय परिसर में पड़े ईंट की दुलाई करवाई जा रही। ग्रामीण बताते हैं कि विद्यालय में सफाई कर्मी कभी आते नहीं विद्यालय के बच्चे ही विद्यालय की सफाई व ईंट दुलाई करवाया जा रहा है। जिससे बच्चों की शिक्षा प्रभावित



हो रही है। शुक्रवार को सुबह नौ बजे विद्यालय में बच्चों की शिक्षा की हकीकत सामने आई विद्यालय के शिक्षकों द्वारा छोटे-छोटे बच्चों से विद्यालय की सफाई के अलावा विद्यालय परिसर में पड़े ईंट की दुलाई करवाई जा रही। ग्रामीण बताते हैं कि विद्यालय में सफाई कर्मी कभी आते नहीं विद्यालय के बच्चे ही विद्यालय की सफाई व ईंट दुलाई करवाया जा रहा है। जिससे बच्चों की शिक्षा प्रभावित

स्कूल के स्टाफ मोबाइल से बात कर रहे थे।विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों ने बताया कि गुरु जी ने कहा है कि ईंट इकट्ठा कर दो। फिलहाल इस परिपदीय विद्यालय में शिक्षा की धजियाँ उड़ाई जा रही हैं बच्चों को शिक्षा ना देकर उनसे कार्य करवाया जा रहा है ऐसे में बच्चों को पढ़ाई बाधित हो रही है। इस बाबत एबीएसए धनपतगंज अरविंद ने बताया कि सूचना मिली है मामले को दिखवाया जाएगा।

एक दर्जन प्रांतों के 80 व्यापारियों ने थामा चौहान गुट का दामन

जन एक्सप्रेस। रायबरेली

उत्तर प्रदेश में निःशुल्क लावारिस शव को जलाने के सिलसिले में अपनी चर्चाओं से अपनी पहचान बनाने वाला उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल चौहान के सराहनीय कार्यों को देखते हुए दिल्ली के एक सरकारी प्रशिक्षण के बाद उत्तर प्रदेश सहित एक दर्जन से अधिक प्रांतों के बड़े-बड़े दिग्गज व्यापारियों ने चौहान गुट का दामन थामा है। प्रदेश मीडिया प्रभारी एस्के सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि हाल ही में व्यापार मंडल चौहान गुट रायबरेली

* चौहान गुट में यूपी के 17, दिल्ली, हरियाणा, बिहार, छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, केरला, बंगाल, आसाम, गुजरात सहित एक दर्जन प्रांतों के व्यापारी शामिल

मुख्यालय से जिलाधिकारी के नेतृत्व में सीडीओ ने डेयरी प्रशिक्षण के लिए प्रदेश अध्यक्ष जीसी सिंह चौहान की अगुवाई में छ: सदस्यीय पदाधिकारियों की टीम को रवाना किया था, प्रशिक्षण व प्रमाणपत्र मिलने के बाद आज चौहान गुट टीम रायबरेली पहुंची, जहां उनका जोरदार स्वागत किया गया। एस्के सोनी मीडिया प्रभारी व प्रदेश अध्यक्ष

वार्तालाप के बाद सबका उत्साह वर्धन करते हुए बताया कि आज चौहान गुट ने बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए चौहान गुट में यूपी के 17, दिल्ली, हरियाणा, बिहार, छत्तीसगढ़, केरला, बंगाल, आसाम, गुजरात, उत्तराखंड सहित एक दर्जन से अधिक प्रांतों के बड़े-बड़े व्यापारियों को सदस्यता ग्रहण करवाते हुए सभी को चौहान गुट का प्रमाण पत्र सौंपा

है। जिससे व्यापार मंडल चौहान गुट को बड़ी मजबूती मिली है। श्री सोनी जानकारी देते हुए बताया कि दिल्ली के भजनपुरा से शंकर सोनी को अध्यक्ष बनाते हुए प्रमाण पत्र सौंपा है जल्द ही शंकर सोनी व्यापार मंडल टीम का गठन करेंगे। इस मौके पर चौहान गुट प्रदेश अध्यक्ष जीसी सिंह चौहान सहित सूची अध्यक्ष कृष्ण कुमार, सचिव शिवशंकर, महिला जिलाध्यक्ष बबिता वर्मा, जिला सचिव महेश मिश्रा, व जिला संगठन मंत्री डीके सिंह राणा, एस्के सोनी, मो उमर, मो नजर, संदीप, प्रदीप, अरविंद सहित दर्जनों व्यापारी मौजूद रहे।

मणिपुर की घटना के विरोध में कांग्रेस कमेटी द्वारा कैडल मार्च निकालकर भाजपा की सोई हुई सरकार के खिलाफ किया गया प्रदर्शन

जन एक्सप्रेस। रायबरेली

मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई अमानवीय हिंसा के विरोध में ब्लाक शिवगढ़, महाराजगंज व बछरावां में प्रदेश अध्यक्ष जीसी सिंह चौहान सहित सूची अध्यक्ष कृष्ण कुमार, सचिव शिवशंकर, महिला जिलाध्यक्ष बबिता वर्मा, जिला सचिव महेश मिश्रा, व जिला संगठन मंत्री डीके सिंह राणा, एस्के सोनी, मो उमर, मो नजर, संदीप, प्रदीप, अरविंद सहित दर्जनों व्यापारी मौजूद रहे।



समय रहते कोई ठोस कदम उठया होता तो दंगों पर रोक लगाई जा सकती थी। कांग्रेस प्रवक्ता महाबत आलम ने कैडल मार्च में देश की जनकारी देते हुए बताया कि मणिपुर मुद्दे पर देश के प्रधानमंत्री विपक्ष के सवालों से भय

रहे है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। मणिपुर देश का अभिन्न अंग है, लगभग तीन महीनों से राज्य जल रहा है, लेकिन केन्द्र की भाजपा सरकार चैन की नींद सोई हुई है। कैडल मार्च में मुख्य रूप से नागेंद्र बहादुर सिंह, सुमित्रा रावत, गिरिजेश श्रीवास्तव, दिनेश यादव, गौरव मिश्रा, अवधेश चौधरी, अखिलेश मिश्रा, ललित तिवारी, आशीष त्रिवेदी, अंकुर जायसवाल, रलेश सोनी, रमाकान्त मिश्रा, गंगाराम, अविनाश चन्द्र बाजपेई, रमेश गुप्ता, रामय्यारे, तनबीर आकिव, सिद्धेय मौर्या, कुसुम, जान

मोहम्मद, राम किशोर मौर्या, सुनील पटेल, दुर्गेश अवस्थी, रामचन्द्र पासी, आशीष जायसवाल, सतीश सिंह, रामलखन यादव, सुरेश कुशवाहा, नरेन्द्र सिंह, सिद्धनाथ कैराती, जुबैर अहमद, चन्द्र मोहन दीक्षित, रामकान्त दीक्षित, रमू रावत, बृजेंद्र द्विवेदी, हीरालाल, देवेन्द्र अवस्थी, हनेमान जायसवाल, सुन्दर लाल गुप्ता, अमन वैश्य, लाला मनिहार, अखिलेश जायसवाल, राजेश जायसवाल, गुड्डू मनिहार, भंडारी वर्मा, अरूण वैद्य, करन वर्मा अन्य लोग उपस्थित रहे।

डीएम ने की पशुपालन विभाग की समीक्षा बैठक

सुधरेगी जिले के गो-आश्रय स्थलों की व्यवस्था

जन एक्सप्रेस | बहराइच

जनपद में संचालित गो आश्रय स्थलों पर संरक्षित गोवृंशों के चारा, भूसा, पानी, हरा चारा, ख़व इत्यादि के लिए की गई व्यवस्थाओं में सुधार एवं सभी संभावना नजर आ रही है। पशुपालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा बैठक में डीएम मोनिका रानी ने अप्सरों को निर्देश दिया है कि 4 अगस्त तक स्थितियों को सुधार कर बैठक में उपस्थित हों। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि अपर जिलाधिकारी द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रारूप पर प्रत्येक गो आश्रय स्थल को वर्षवार, माहवार एवं दिवसवार प्रास एवं व्यय की गई धनराशि की सूचना के आगामी बैठक में सम्बन्धित ग्रामों के पंचायत सचिव एवं प्रधानगण उपस्थित होंगे। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक गो आश्रय स्थल पशुपालन विभाग द्वारा वर्षवार, माहवार एवं दिवसवार उपलब्ध करायी गयी धनराशि का विवरण आगामी बैठक में प्रस्तुत करें। डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि जिला पंचायत राज अधिकारी

के स्तर से एम्प्लोयी पूर्ण में पूल की गयी धनराशि का वर्षवार, माहवार एवं दिवसवार विवरण भी आगामी बैठक में प्रस्तुत किया जाय। डीएम द्वारा आगामी बैठक के लिए 04 अगस्त की तिथि निर्धारित करते हुए सभी सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया गया सभी लोग अद्यतन वांछित अभिलेखों के साथ बैठक में प्रतिभाग करेंगे। जिले में संचालित गो आश्रय स्थल से सम्बन्धित ग्राम सचिवों व ग्राम प्रधानों को निर्देश दिया गया कि गोआश्रय स्थलों पर शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार संरक्षित गोवृंशों के लिए भूसा, चारा, पानी, हरा चारा व शेल्डर इत्यादि का प्रबन्ध सुनिश्चित किया जाय। वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए डीएम ने निर्देश दिया कि वर्ष के तत्काल बाद गोआश्रय स्थल का निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करें कि वहां पर जल भराव जैसी स्थिति न रहने पाए। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया गया कि मानक के अनुसार गो आश्रय स्थल पर संरक्षित गोवृंशों के उपचार के प्रबन्ध सुनिश्चित कराए जाएं।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच ताजियादारों ने दफन किया ताजिया

* ताजिया जुलूस में बड़ी संख्या में हिंदू व मुसलमान समुदाय के लोग सम्मिलित

जन एक्सप्रेस | बलरामपुर

जनपद बलरामपुर के तीनों तहसील मुख्यालयों, ब्लॉक मुख्यालयों तथा छोट-बड़े कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में शनिवार को गमी का त्योहार मोहरर्म कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हो गया। मोहरर्म का जुलूस सभी स्थानों पर गाजे-बाजे के साथ निकाला गया। पुलिस प्रशासन ने



पहले से ही सभी लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से ताजिया को दफन करने का जुलूस निकालने की अपील की गई थी, जिसका ताजियादारो ने बखूबी पालन भी किया। जानकारी के अनुसार 29 जुलाई को जिले भर में ताजिया का जुलूस कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकाला गया। संवेदनशील क्षेत्रों उतरोला रेहरा तथा पंचपेड़वा में पुलिस अधीक्षक केशव कुमार अपर पुलिस अधीक्षक नमिता श्रीवास्तव तथा पुलिस क्षेत्राधिकारी व

तरीके से ताजियों का जुलूस निकाला गया। वीर विनय चौहरे पर ताजिया दारो का सामाजिक संगठनों द्वारा स्वागत अभिनंदन के साथ जलपान कराया गया। मोहरर्म जुलूस में बड़ी संख्या में हिंदू और मुसलमान दोनों समुदाय के लोग सम्मिलित हुए। गंगा जमुनी तहजीब के लिए प्रसिद्ध बलरामपुर नगर एक बार फिर अपनी पहचान को बरकरार रखते हुए शांतिपूर्ण तरीके से मोहरर्म का त्योहार संपन्न कराने में अपनी परंपरा को कायम रखने में कामयाब रहा। नगर पालिका परिषद की ओर से नगर में साफ सफाई तथा प्रकाश की उचित व्यवस्था की गई थी। विद्युत विभाग

द्वारा बिजली सप्लाई बंद होने के कारण जनरेटर के सहारे प्रकाश की व्यवस्था नगर पालिका परिषद द्वारा कराई गई। सामाजिक संगठनों तथा नगरपालिका द्वारा जगह-जगह पीने के लिए प्याऊ भी लगाए गए, जहां पर मिश्रण हलवा तथा जर्दा वितरित कर लोगो का मुंह मीठा कराया गया और जलपान कराया गया। जिले के तहसील उतरोला क्षेत्र में शांतिपूर्ण मोहरर्म संपन्न होने की सूचना है। तहसील तुलसीपुर क्षेत्र में भी शांतिपूर्ण तरीके से मोहरर्म त्योहार संपन्न हुआ। कहीं भी किसी प्रकार की किसी अप्रिय घटना की कोई सूचना नहीं मिली है।

कर्बलाओ में ताजिए किए गए सुपुर्द ए खाक, सुरक्षा को लेकर पुलिस रही मुस्तैद

गमगीन माहौल में अकीदत के साथ निकाला गया मोहरर्म का जुलूस

जन एक्सप्रेस | अयोध्या

शहर से लेकर तहसील क्षेत्र के तमाम जगहों पर शनिवार को अकीदत के साथ मोहरर्म का पर्व मनाया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस जगह-जगह मुस्तैद रही। ताजिया का जुलूस निकालने के दौरान मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करके नोहा ख्वानी और सीना जनी करके गम का इजहार किया गया। गमगीन माहौल में ताजिए कर्बला में सुपुर्द ए खाक किए गए। बीकापुर कस्बे के अलावा पुलिस सर्किल एवं तहसील क्षेत्र के खजुरहट, चौर बाजार, सोनखरी, रामपुर भगन, गंडई, तारन, हैदरगंज, शाहगंज सहित विभिन्न स्थानों पर गमगीन माहौल में ताजिया का जुलूस निकाला गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर बीकापुर कोतवाली पुलिस के अलावा संबंधित थानों और चौकी की पुलिस मुस्तैद रही। बीकापुर कस्बे में गमगीन माहौल के दौरान निकाले गए ताजिया जुलूस में सम्भासद बृजभूषण राजन पांडे, समाजसेवी महमूद अहमद,



असलम सहित तमाम लोग शामिल हुए। बताते हैं कि मुस्लिम समुदाय के लोग मोहरर्म का त्योहार पैगंबर मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन की शहादत को याद करने के रूप में मनाते हैं। निकाले

अज्ञात व्यक्ति ने मुस्लिम समुदाय के मकान में लगाई आग, जलकर राख

ताजिएदारों ने कारवाई की मांग को लेकर किया प्रदर्शन, रोका जुलूस

जन एक्सप्रेस | कैसरगंज, बहराइच

शनिवार को दोपहर बाद थाना क्षेत्र के सोनारी महुरी गांव निवासी एक ग्रामीण के मकान में अज्ञात लोगों ने आग लगा दी। जिससे फूस का पूरा मकान जलकर राख हो गया। इसकी जानकारी होते ही गांव के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मुकदमा दर्ज करवाने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ताजिया रोक दिया। सभी ने प्रशासन मुद्दाबाद की नारेबाजी करते हुए ताजिया ले जाने से इंकार कर दिया। दो घंटे की मान मनोविल के बाद सभी ताजिया लेकर कर्बला की ओर रवाना हुए। घटना कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत सोनारी के मजरा महुरी निवासी इदु पुत्र वली मोहम्मद नामक व्यक्ति के मकान में शनिवार दोपहर को अज्ञात लोगों ने आग लगा दी। उसी समय ताजियादार अपनी ताजिया कर्बला के लिए ले जा रहे थे। अज्ञात कारणों से लगी आग में बाइक समेत अन्य सामान जलकर राख हो गया। इसकी जानकारी जब ताजिएदारों को हुई तो सभी ने ताजिया रख कर पुलिस प्रशासन मुद्दाबाद के नारे लगाने लगे। गांव के लोगों ने पुलिस



को घटना से अवगत कराया। कोतवाल राजनाथ सिंह भारी पुलिस फोर्स के साथ गांव पहुंचे। लोगों को समझाया बुझाया लेकिन ग्रामीण आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। इसकी जानकारी पुलिस अधीक्षक के साथ उप जिलाधिकारी पंकज कुमार दीक्षित को दी गई। एसपी प्रशांत कुमार वर्मा तत्काल एसडीएम और सीओ कमलेश कुमार सिंह के साथ मौके पर पहुंचे। एसपी ने ग्रामीणों से वार्ता कर कारवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद वह चले गए। लेकिन ताजिएदारों ने आरोपी के गिरफ्तारी की मांग करते हुए ताजिया कर्बला ले जाने से इंकार कर दिया। पुलिस क्षेत्राधिकारी और एसडीएम के काफी प्रयास के बाद सभी ताजिएदार

शांत हुए और ताजिया कर्बला की ओर ले गए। इस मामले में कोतवाल राजनाथ सिंह से बात की गई तो उन्होंने बताया कि ग्रामीण ने बाबू पुत्र मदन और अजु पुत्र गुडु के विरुद्ध तहरीर दी है। मकान में आग किसने लगाई, इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। कैसरगंज कोतवाली क्षेत्र के सोनारी गांव में मकान में आग लगने की घटना से अफरा तफरी मच गई। ताजियादारों द्वारा ताजिया कर्बला ले जाने से इंकार कर दिया। इस निर्णय से प्रशासनिक अमला हलकान हो गया। हालांकि दो घंटे के प्रयास के बाद सभी शांत हुए। मौके पर भारी मात्रा में पुलिस बल तैनात है।

राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति की तीसरी वर्षगांठ पर अखिल भारतीय शिक्षा समागम का आयोजन

जन एक्सप्रेस | बलरामपुर

जनपद बलरामपुर जिला मुख्यालय के अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पाँचनियर पब्लिक स्कूल एंड कॉलेज में शनिवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर अखिल भारतीय शिक्षा समागम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जानकारी के अनुसार 29 जुलाई को शहर के अंग्रेजी माध्यम विद्यालय पाँचनियर पब्लिक स्कूल एण्ड कॉलेज में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की तीसरी वर्षगांठ" मनाई गई। वर्षगांठ के अवसर पर, शिक्षा मंत्रालय, कौशल विकास व उद्यमिता मंत्रालय के सहयोग से द्वितीय "अखिल भारतीय शिक्षा समागम" का आयोजन किया गया। इस अवसर के राष्ट्रीय महत्व के अनुरूप देश भर में गतिविधियों की योजना कार्यक्रम का उद्घाटन को आईसीसी, भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ), प्रगति मैदान, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में हो रहा है



उसकी पूर्ण सत्र की लाइव स्ट्रीमिंग व वेबकास्टिंग को विद्यालय के प्रबन्ध निदेशक डॉ 0एम0पी0 तिवारी के नेतृत्व में विद्यालय के समस्त अध्यापक अध्यापिकाओं ने देखा। कार्यक्रम की लाइव स्ट्रीमिंग व वेबकास्टिंग को देखकर विद्यालय के प्रबन्ध निदेशक डॉ 0एम0पी0 तिवारी सहित समस्त अध्यापक अध्यापिकाओं ने प्रशंसा तथा सराहना की तथा साथ ही यह भी बताया कि राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य भारत में अब तक जो शिक्षा प्रदान की जा रही है उसमें क्रांतिकारी बदलाव लाना है। साथ ही भारत के शिक्षा को वैश्विक स्तर पर खड़ा करना है। जैसे हमारे भारत का इतिहास है

तथा मिडिया प्रभारी डॉ 0अविनाश पाण्डेय, श्लोक मिश्रा एवं जितेंद्र सिंह (बागी) को पुष्पों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया। उत्पंक्षात् आये हुए सम्मानित अतिथियों के साथ "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की तीसरी वर्षगांठ", के बारे में प्रोजेक्टर के माध्यम से जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबन्ध निदेशक डॉ 0एम0पी0 तिवारी एवं एक्टिविटी ईचार्ज राधेन्द्र त्रिपाठी सहित संतोष श्रीवास्तव, टी0ए00 शुक्ला, ए0के0 शुक्ला, ए0के0 तिवारी, डी0पी0 यादव, मुकेश गुप्ता, रवि भूषण शुक्ला, शालिनी शुक्ला, कपिल निषाद, वी0एन0 तिवारी, आनंद शुक्ला, ब्रजभूषण मिश्रा, भानु यादव, राजीव श्रीवास्तव, दिव्या पाण्डेय, कृष्णा गुप्ता एवं खुशबू तिवारी सहित सभी अध्यापक अध्यापिकाओं ने बहुत ही रूचि के साथ इस आयोजित कार्यक्रम में शामिल होकर राष्ट्रीय नई शिक्षा नीति के बारे में पूर्ण रूप से जानकारी प्राप्त की।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति कौशल विकास के साथ नवाचार पर आधारित: डॉ 0 नितेश धवन



जन एक्सप्रेस | अयोध्या

डॉ 0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग एवं इन्फ्यू अव्ययन केन्द्र अयोध्या के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ 0 नितेश धवन, स्टेट डेवलेपमेंट खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग लखनऊ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के जरिए सभी सतत विकास लक्ष्यों को नीतिगत तरीके से

* नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा: वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक * राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अवसरों एवं चुनौतियों को लागू करने के नवाचार स्टार्टअप और उद्यमिता की भूमिका की खोज विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन

प्रारंभिक रूप से सुलभ एवं गुणात्मक शिक्षा प्रणाली के द्वारा कौशल अंतराल एवं बेरोजगारी उभराने को कौशल विकास एवं नवाचार के जरिए कम किया जा सकता है। वर्ष 2016 में भारत में कुल 445 स्टार्टअप थे जो वर्तमान में बढ़कर लगभग एक लाख की संख्या में हो चुके हैं। सेमिनार में उन्होंने विद्यार्थियों को खादी एवं ग्रामोद्योग अयोग द्वारा स्टार्टअप के लिए सॉफ्टवेयर एवं प्रान्ट की सुलभता हेतु किये जाने वाली प्रक्रिया पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। छात्रों की रचनात्मकता एवं उनकी सोच के अनुरूप नवाचार को उद्यम में परिवर्तित करने हेतु उद्वेल टिकरिंग लैब की उपयोगिता के बारे में जागरूक किया।सेमिनार में की-नोट स्पीकर के रूप में इन्फ्यू क्षेत्रीय

कार्यालय लखनऊ में वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक डॉ 0 मनोहरा सिंह ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का सही उपयोग छात्रों को अपनी रूचि के अनुरूप विषयों का चयन करने एवं उसका उपयोग नवाचार के माध्यम से स्टार्टअप एवं उद्यमिता को विकसित करने के लिए है। साथ ही उन्होंने एन0ई0पी0 में किये गये आंशिक बदलाव जो पूर्व में विज्ञान तकनीकी अभियंत्रिकी कला की जगह अब विज्ञान तकनीकी अभियंत्रिकी कला एवं गणित के बारे में बताया तथा शिक्षा प्रणाली में ऐकेडमिक बैंक ऑफ फ्रेडिट की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। जिसमें छात्रों को एक साथ दो डिग्री प्राप्त करने एवं सर्टिफिकेट कोर्स, डिप्लोमा करते हुए अपने ऐकेडमिक स्कोर को बढ़ाने पर बल दिया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विभागाध्यक्ष एम0बी0ए0 एवं समन्वयक इन्फ्यू अव्ययन केन्द्र अयोध्या प्रो 0 हिमांशु शेखर सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए सेमिनार की पूर्ण भूमि पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को अतिथियों द्वारा दिए गए व्याख्यान द्वारा अधिक से अधिक लाभान्वित होने एवं इसका उपयोग अपने छत्र जीवन में ही करने पर प्रेरित किया। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापित करते हुए इन्फ्यू क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ के सहायक क्षेत्रीय निदेशक डॉ 0 कीर्ति विक्रम सिंह ने सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया एवं सभी छात्रों को इन्फ्यू द्वारा संलग्न जा रहे पाठ्यक्रमों से अधिक से अधिक लाभान्वित होने हेतु अवगत किया।

बीकापुर-कोतवाली क्षेत्र में हाईवे पर स्थित प्रमुख स्थानों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरा

जन एक्सप्रेस | बीकापुर-अयोध्या

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पुलिस द्वारा अपराध और अपराधियों पर नियंत्रण के लिए +आपरेशन दृष्टि-अभियान शुरू किया गया है। जिसके तहत पुलिस क्षेत्राधिकारी डॉ राजेश तिवारी के निर्देशन में कोतवाली पुलिस द्वारा भी बीकापुर कोतवाली क्षेत्र के कस्बा बीकापुर सहित प्रयागराज पर स्थित भीड़भाड़ वाले स्थानों और चौराहों को सीसीटीवी कैमरे से लैस कराया जा रहा है। जिससे अपराध तत्वों की सदृश्य गतिविधियों तथा अपराधियों की हकतों पर लगाम लगाई जा सके। और अपराधिक घटना घटित होने पर सीसीटीवी फुटेज के सहारे अपराधियों की पहचान करके उन पर कानूनी कार्रवाई कराई जा सके। कोतवाली पुलिस द्वारा अभियान के तहत बीकापुर कस्बे में भारती इंटर कॉलेज के सामने मरठथ कनक मोड, जलालपुर माफी तिराहा, पिपरी रामपुर भगन मोड तिराहा, खजुरहट चौराहे को सीसीटीवी कैमरे से लैस किया जा चुका है। सीसीटीवी कैमरा लगाने में आसपास के दुकानदारों द्वारा सहयोग किया गया है। बीकापुर कस्बे में पुलिस क्षेत्राधिकारी और डॉ राजेश



खाली पड़े प्लाट पर अज्ञात लोगों ने दीवार पर लिख दिया विवादित जमीन

जन एक्सप्रेस | अयोध्या

कैट थाना क्षेत्र अंतगर्त हाईवे से सटे कौशलपुरी कॉलोनी फेस टू में रामचंद्र के खाली पड़े प्लाट में सदृश्य लोगों द्वारा ताला लगाने के बाद बड़े-बड़े शब्दों में प्लाट की दीवार पर जमीन विवादित है लिख दिया साथ ही मोबाइल नंबर भी छल दिया है जब इसकी सूचना प्लाट के मालिक रामचंद्र व उनके बेटों को मिली तो उन्होंने अपने प्लाट पर पहुंचकर लोगों से जानकारी हासिल की जानकारी ना मिलने पर समाजवादी पार्टी के पार्षद धर्मवीर को दूरभाष द्वारा अवागत कराए गया पार्षद ने मौके पर पहुंचकर जानकारी हासिल की। पार्षद ने सहायक गंज पुलिस को सूचना दी, मौके पहुंची पुलिस ने पूरे मामले के बारे में रामचंद्र से जानकारी ली और जांच पड़ताल शुरू कर दी है, प्लाट में लगे ताले के अलावा एक

अपना भी ताला पुलिस ने लगा दिया है,वही प्लाट मालिक पेशान है कि आखिर में मेरे प्लाट पर क्यों ताला लगाया गया कहीं प्लाट कब्जा करने की कोशिश तो नहीं की जा रही है।

हादसे में शिक्षक बाल-बाल बचे, कार हुई क्षतिग्रस्त
बीकापुर-अयोध्या। विद्यालय जा रहे परिषदीय विद्यालय के सहायक अध्यापक एक हादसे में बाल बाल बच गए। बीकापुर शिक्षा क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय कोष के सहायक अध्यापक आदर्श तिवारी शनिवार सुबह प्रधानमंत्री का लाइव प्रसारण संबोधन सूचने के लिए अपने घर सूर्य सराय बीकापुर से विद्यालय जा रहे थे। रास्ते में बीकापुर बाजार के दक्षिणी छोर पर स्थित पेट्रोल पंप के पास प्रयागराज हाईवे पर जब उनकी कार पहुंची तो अचानक ऊपर से जंगली शीशम की डाल कार पर गिर गई।

स्टार बेकरी मामला: सोशल मीडिया पर अब एक बयान व एफीडेविट सामने आया

अभी भी मामले को गुजरना होगा पुलिस जांच से, 182 की भी हो सकी है कारवाई

जन एक्सप्रेस | अयोध्या

स्टार बेकरी पर खाद्य विभाग की बड़ी कारवाई के बाद अब नया तथ्य सामने आया है। मामले को लेकर जिले में सनसनी फैलाने के बाद अब स्टार बेकरी पर बड़ी कारवाई हुई थी। खाद्य विभाग की जांच में बिना लाईसेंस के नानवेज बेचने का तथ्य सामने आया था। जिसमें बेकरी को सीज कर दिया गया। वहीं सोशल मीडिया पर अब एक बयान व एफीडेविट सामने आया है। जिसमें निकलने की जाह तथ्य स्टिक निकलने की बात अब युवक कह रहा है।125 जुलाई को शिवनगर कालोनी के रहने वाले अभिनव तिवारी ने स्टार

लाईसेंस के नानवेज बेचने जाने के तथ्य सामने आने पर बेकरी को सीज कर दिया गया। वहीं अब पूरे मामले में नया तथ्य सामने आया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तथा एफीडेविट वायरल हो रहा है। जिसमें अभिनव तिवारी पेटेज में हड्डी की जगह टूथ स्टिक निकलने की बात कह रहा है। वहीं पूरे मामले में सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह का कहना है कि एफआईआर के बाद पुलिस से सामने वादी भी रहेगी। जिसमें पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत किया था। इस दौरान दुकानदार के ऊपर अध्रता करने का आरोप भी लगाया था। शिकायत के बाद खाद्य विभाग ने बेकरी पहुंचकर जांच की थी। जांच के दौरान बिना



